खबर संक्षेप

वरिष्ठ अधिवक्ता अजय बने प्रांतीय चुनाव प्रभारी

शहडोल। मध्य प्रदेश नामदेव समाज विकास परिषद (पंजीयन क्रमांक 3315) की कार्यकारिणी का प्रादेशिक चुनाव दिनांक आगामी 17 मई को सामुदायिक भवन नामदेव समाज, जवाहर चौक भोपाल में.संपन्न होने जा रहा है। उक्त प्रांतीय चुनाव को लेकर भोपाल के वरिष्ठ अधिवक्ता, शहडोल निवासी अजय कुमार नामदेव को मुख्य चुनाव अधिकारी बनाया गया है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि, मध्य प्रदेश नामदेव समाज विकास परिषद की वोटर लिस्ट में दिनांक 15 अप्रैल तक नाम जोडऩे की प्रक्रिया जारी है। इस तारीख के बाद वोटर लिस्ट में नाम नहीं जोड़े जाएंगें। उन्होंने कहा कि, जिनका भी नाम वोटर लिस्ट में है, वह सभी परिषद के चुनावी प्रक्रिया में, परिषद की नई कार्यकारिणी के निर्माण के लिए आकर, अपना अमूल्य मत का प्रयोग करें और समाज के नव निर्माण में भागीदार बने। बताया कि, चुनाव की अधिसूचना शीघ्र ही जारी की जावेगी।

सावधान! शहडोल में ईंधन का फुल स्टॉक

शहडोल। जिले में पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस की किल्लत को लेकर फैलाया जा रहा हौवा पूरी तरह बेबुनियाद है। जिला आपूर्ति नियंत्रक विपिन पटेल ने सख्त लहजे में स्पष्ट किया है कि ऑयल कंपनियों के तालमेल से जिले में ईंधन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया की भ्रामक खबरों पर कान न धरें और न ही अनावश्यक भंडारण की होड़ में शामिल हों। डिपो से सप्लाई सुचारू है और पंपों पर तेल का अंबार लगा है। आपूर्ति विभाग ने चेतावनी दी है कि अफवाह फैलाकर अव्यवस्था पैदा करने वालों पर नजर रखी जा रही है। जरूरत भर ही खरीदें, अफरा-तफरी न फैलाएं।

1 अप्रैल को प्रवेशोत्सव आयोजित होगे विविध कार्यक्रम

शहडोल। जिला परियोजना समन्वयक शिक्षा अमरनाथ सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन की मंशानुसार स्कूल चले हम अभियान कार्यक्रम 01 अप्रैल 2026 को आयोजित किया जाएगा। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दूरदर्शन आकाशवाणी एवं अन्य संचार माध्यमों पर प्रातः 11 बजे किया जाएगा। स्कूल चले हम अभियान को सफल बनाने के लिए 01 अप्रैल 2026 को जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में आयोजित किया जाएगा। उपस्थित छात्र-छात्राओं को अतिथियों के द्वारा निःशुल्क पाठ्य पुस्तके एवं सायकिल वितरित किया जाएगा, ग्राम, बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन एवं उनके अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जाना है। कक्षा 1 से 8 तक की सभी शालाओं में 01 अप्रैल को बाल सभा तथा विशेष भोज का आयोजन किया जाना है। विगत अकादमिक वर्ष में 85 प्रतिशत से अधिक उपस्थिति वाले विद्यार्थियों के पालकों को विशेष रूप से आमंत्रित कर उनका सम्मान किया जाएगा। 02 अप्रैल 2026 पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेलकूद की गतिविधि आयोजित की जाएगी जिससे उनका जु?ाव विद्यालय से हो विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं एवं शासकीय योजनाओं के बारे में विद्यालय स्टाफ द्वारा पालकों को अवगत कराया जाएगा। हार के आगे जीत ध्येय के माध्यम से वर्ष 2026 की परीक्षा में कक्षोन्नती प्राप्त न करने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को आमंत्रित कर विद्यार्थियों के पुनः प्रवेश हेतु प्रेरित करें एवं उनका पुनः प्रवेश सुनिश्चित कराए, साथ ही उन्हें अन्य विकल्प जैसे ओपन एजूकेशन सिस्टम, आई.टी.आई कोर्सेस एवं अन्य शैक्षिक मार्ग से भी अवगत कराए। शाला प्रबंधन समिति एवं शाला प्रबंधन एवं विकास समिति की बैठक का आयोजन किया जाए।

शहडोल में इंदौर जैसा अग्निकांड

ई-स्कूटी बनी टाइम बम
सुपरवाइजर का घर राख

क्या आप अपने घर में ई-स्कूटी चार्ज कर रहे हैं, सावधान हो जाइए! जिसे आप भविष्य की सवारी समझकर घर ला रहे हैं, वह दरअसल एक चलता-फिरता टाइम बम भी हो सकता है।

शहडोल।

इंदौर की भयावह घटनाओं की पुनरावृत्ति अब जिले में हुई है, अमलाई थाना क्षेत्र के धनपुरी में एक ई-स्कूटी की बैटरी में हुए भीषण ब्लास्ट हो गया, यह महज एक आगजनी नहीं, बल्कि ई-वाहन कंपनियों की सुरक्षा दावों की कलई खोलने वाली एक ऐसी त्रासदी है, जिसने एक मां के अरमानों और एक बेटी के सपनों को चंद मिनटों में राख के ढेर में तब्दील कर दिया।

आधी रात को धमाका

घटना अमलाई थाना क्षेत्र के धनपुरी वार्ड नंबर 12 की है। महिला बाल विकास विभाग में सुपरवाइजर सुनीता रजक के घर में बीती रात सब कुछ सामान्य था। घर के पहले कमरे में उनकी ई-स्कूटी चार्जिंग पर लगी थी। परिवार गहरी नींद में था। अचानक, आधी रात को एक कानफोड़ू धमाका हुआ।

बेटी की शादी की खुशियां मातम में बदलीं

चार्जिंग पर लगी स्कूटी की बैटरी बम की तरह फट गई। इससे पहले कि परिवार कुछ समझ पाता, स्कूटी आग का गोला बन चुकी थी। आग ने इतनी तेजी से विकराल रूप धारण किया कि लपटें सीधे घर के मुख्य द्वार और इलेक्ट्रिक मीटर तक पहुंच गईं। पूरा घर जहरीले धुएं से भर गया। कमरे में रखा हर सामान आग की लपटों में घिर गया। स्थिति इतनी भयावह हो गई थी कि मुख्य दरवाजे से निकलना नामुमकिन था। जान बचाने के लिए सुपरवाइजर और उनके परिवार को घर की दीवार फांदनी पड़ी।

उजड़ गए बेटी के हाथ पीले होने के सपने

इस अग्निकांड ने सबसे बड़ा जख्म परिवार की खुशियों पर दिया है। आगामी 21 अप्रैल को सुनीता रजक की बेटी की शादी होनी थी। घर में शहनाइयां बजने वाली थीं, तैयारियां जोरों पर थीं, लेकिन, नियति को कुछ और ही मंजूर था। इस कातिल ई-स्कूटी की आग ने शादी के लिए खरीदकर रखा गया एक-एक सामान स्वाहा कर दिया। कपड़े, बर्तन, फर्नीचर, और वो तमाम अरमान जो एक मां अपनी बेटी की विदाई के लिए संजोती है, सब कुछ जलकर कोयला हो गया।

मछलियां तक नहीं बचीं, देवता भी झुलसे

आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसने बेजुबानों तक को नहीं बख्शा। घर में रखा एक्वेरियम (मछलीघर) भीषण गर्मी और लपटों के कारण टूट गया और उसमें मौजूद बेचारी मछलियां तड़प-तड़प कर जल गईं। घर के मंदिर में रखीं आराध्य देवों की प्रतिमाएं भी इस अग्नि तांडव में झुलस गईं। दीवारें काली पड़ गईं और छत का प्लास्टर गिर गया। करीब 5 घंटे की कड़ी मशक्कत और पड़ोसियों की मदद के बाद आग पर काबू पाया जा सका, लेकिन तब तक सब कुछ ख़त्म हो चुका था।

राख में तब्दील हुई जीवन भर की कमाई

सुपरवाइजर सुनीता रजक के मुताबिक, इस आग ने उनके जीवन भर की जमा पूंजी छीन ली है। प्राथमिक अनुमान के अनुसार, नुकसान का आंकड़ा लाखों में है, दो बाइक और एक ई-स्कूटी पूरी तरह जलकर लोहा बन गईं। शादी के लिए बनवाए गए सोने-चांदी के जेवर आग की गर्मी से पिघलकर मिट्टी में मिल गए। घर में रखे लगभग दो लाख रुपये नकद जलकर खाक हो गए। 21 अप्रैल के लिए की गई सारी खरीदारी स्वाहा हो गई।

बच गई जान, टल गया महा-विस्फोट

इस पूरी त्रासदी में गनीमत बस इतनी रही कि परिवार समय रहते दीवार फांदकर बाहर निकल गया, जिससे जनहानि नहीं हुई। एक और बड़ा खतरा तब टला जब पड़ोसियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर किचन में रखे दो गैस सिलेंडरों को आग की जद में आने से पहले बाहर निकाला। अगर सिलेंडरों में ब्लास्ट होता, तो आधा वार्ड इसकी चपेट में आ सकता था।

कब जागेगा प्रशासन

शहडोल की यह घटना एक चेतावनी है। इंदौर में कई मौतों के बाद भी प्रशासन और कंपनियां नहीं जागी हैं। क्या शहडोल प्रशासन किसी बड़ी जनहानि का इंतजार कर रहा है? ई-वाहनों के लिए सख्त गाइडलाइन और उनकी बैटरियों की रैंडम चेकिंग अब अनिवार्य होनी चाहिए। वरना, आज एक सुपरवाइजर का घर जला है, कल पूरा शहर इस तकनीकी लापरवाही की आग में झुलस सकता है।

इनका कहना है...

थाना क्षेत्र के अमराडंडी में एक महिला के घर अज्ञात कारणों से आग लगी थी, आगजनी कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

भूपेंद्र मणि पाण्डेय
थाना प्रभारी, अमलाई

सड़कों पर उतरीं सीएमओ, साढ़े चार टन कचरा साफ!

शहडोल। शहर को गंदगी के चंगुल से आजाद कराने और स्वच्छता सर्वेक्षण 2025-26 में अव्वल आने के लिए शहडोल नगर पालिका ने अब आर-पार की जंग छेड़ दी है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के कड़े तेवरों के बाद नगर पालिका अमला नींद से जागा है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती आशा जितेंद्र भंडारी ने खुद मोर्चा संभालते हुए चिलचिलाती धूप में 4 घंटे खड़े रहकर सफाई अभियान की कमान संभाली। लल्लू सिंह चौक से अटल पथ तक चले इस सफाई सर्जिकल स्ट्राइक ने लापरवाहों के बीच हड़कंप मचा दिया है।

साढ़े चार टन कचरा ढ़ेर८- जेसीबी से समतलीकरण अभियान की धार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मात्र 850 मीटर के दायरे से करीब साढ़े चार टन कचरा निकालकर डंपिंग साइट भेजा गया। लल्लू सिंह चौक से न्यू बस स्टैंड होते हुए सोहागपुर बाणगंगा तिराहा तक की सडक़ों को आईने की तरह चमकाने का 5 दिवसीय लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सडक़ों के किनारे जमे अतिक्रमण और मलबे को जेसीबी मशीनों से उखाडक़र समतलीकरण किया गया, जिससे राहगीरों को बड़ी राहत मिली है।

गंदगी फैलाने वालों पर गिरेगी गाज - सीएमओ आशा भंडारी ने दो-टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि शहर की सुंदरता से खिलवाड़ करने वालों को अब बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अमले को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाने वालों पर भारी जुर्माना लगाया जाए। मौके पर मौजूद उपयंत्री पुनीत त्रिपाठी और स्वास्थ्य निरीक्षक अनिल महोबिया को नालियों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने की सख्त हिदायत दी गई है।

जनता से अपील- शहर आपका है, इसे कूड़ाघर न बनाएं प्रशासन ने नागरिकों से दो-टूक अपील की है कि वे कचरा केवल निर्धारित गाडिय़ों में ही डालें। शहर को सुंदर बनाना केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। इस अभियान में स्वच्छता मित्रों के पसीने और अधिकारियों की मुस्तैदी ने यह साबित कर दिया है कि यदि इच्छाशक्ति हो, तो शहडोल की सूरत बदली जा सकती है।

शहडोल में जनगणना 2027 की तैयारी तेज
1 मई से खटखटाएंगे आपके घर की कुंडी!

शहडोल।

राष्ट्रीय विकास का आधार और सरकारी योजनाओं की दिशा तय करने वाले जनगणना 2027 के महाभियान का बिगुल जिले में फूंक दिया गया है। आगामी 1 मई से जिले भर में मकानों की गिनती और सूचीकरण का कार्य शुरू होने जा रहा है। इस विशाल और चुनौतीपूर्ण मिशन को त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। स्थानीय शासकीय रघुराज उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 40 फील्ड मास्टर ट्रेनर्स को आधुनिक तकनीक और बारीकियों से लैस करने के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का जोरदार आगाज़ हुआ।

अब मोबाइल ऐप से दर्ज होगी हर जानकारी

अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी सरोधन सिंह ने दो-टूक शब्दों में मास्टर ट्रेनर्स को हिदायत दी है कि यह कोई सामान्य सर्वे नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण दस्तावेज है। उन्होंने साफ कहा कि प्रगणक फील्ड पर डेटा संकलन और डिजिटल उपकरणों के उपयोग में कोई लापरवाही न बरतें। इस बार जनगणना हाई-टेक होगी, एचएलओ मोबाइल ऐप के जरिए हर घर को एक चार अंकीय विशिष्ट नंबर दिया जाएगा, जो भवन के मुख्य द्वार पर दर्ज होगा।

न कोई छूटे, न कोई गलत दर्ज हो

प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने सख्त लहजे में निर्देश दिए कि मकान सूचीकरण ब्लॉक की सीमाओं के भीतर बिखरी बस्तियों या दूर-दराज के एकल भवनों को छोडऩे की गलती अक्षम्य होगी। मास्टर ट्रेनर्स को सिखाया गया है कि उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व के क्रम में भवनों का नंबर डालना अनिवार्य है। यदि किन्हीं दो भवनों के बीच नया निर्माण मिलता है, तो उसे बटा नंबर (जैसे 10/1) देकर सूची में शामिल करना होगा। प्रशासन की पैनी नजर उन संस्थानों और सामान्य परिवारों पर भी है जो अस्थायी रूप से रह रहे हैं। हालांकि, राजनयिक दर्जा प्राप्त विदेशी और निषिद्ध रक्षा क्षेत्रों को इस गणना से बाहर रखा गया है।

फरवरी 2027 में होगा दूसरा चरण

प्रशिक्षण में स्पष्ट किया गया कि जनगणना का यह प्रथम चरण 1 मई से 30 मई 2026 तक चलेगा, जिसमें केवल मकानों का सूचीकरण होगा। इसके ठीक बाद फरवरी 2027 में दूसरे चरण का कार्य शुरू होगा। मध्य प्रदेश राजपत्र में 23 जनवरी 2026 को प्रकाशित अधिसूचना के बाद अब प्रशासनिक अमला जमीनी स्तर पर उतरने को तैयार है।

जिम्मेदारों की मौजूदगी

इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में जनगणना अधिकारी गिरीश शुक्ला सहित जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित रहे। प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि घर-घर सर्वे के दौरान किसी भी प्रकार की गलत जानकारी दर्ज करने या कार्य में ढिलाई बरतने वाले कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिले के नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे प्रगणकों को सही जानकारी देकर इस राष्ट्रीय यज्ञ में अपनी आहुति दें।

अमरहा में वृहद जागरूकता एवं सहायता शिविर आयोजित

शहडोल।

मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशानिर्देश एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल 'के.एन.सिंह के मार्गदर्शन में जिले के ग्राम अमरहा के राजपूत हायर सेकेंडरी स्कूल सभागार में वृहद विधिक जागरूकता एवं सहायता शिविर तथा शासन के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे उपस्थित जन समुदाय को महिला एवं बालको से संबंधित कानूनी प्रावधान व नालसा व सालसा द्वारा संचालित जन लाभकारी योजना की जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में उपस्थित पुलिस विभाग, सामाजिक न्याय विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग आदि के पदाधिकारी द्वारा उपस्थित जनमानस को उनके विभाग की संचालित विभिन्न योजना की जानकारी दी गई एवं उनके आवेदन लेकर यथा योग समस्याओं का समाधान किया गया। कार्यक्रम में जिला विधिक अधिकारी देवेंद्र सिंह परस्ते, थाना प्रभारी एम.एल.रहंगडाले, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल अंकिता सिंह,विद्यालय प्राचार्य कौशल सिंह, मीडिया प्रभारी व पैरा लीगल वालंटियर अरुण द्विवेदी एवं प्रकाश राव ने उपस्थित होकर जन समुदायों को विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया साथ ही मध्य प्रदेश शासन के द्वारा स्कूल शिक्षा विभाग,महिला बाल विकास विभाग,सामाजिक न्याय विभाग,स्वास्थ्य विभाग, पुलिस विभाग के समन्वय से विभागों के द्वारा संचालित जन हितार्थ सभी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई, साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित ग्रामीण जनों व विद्यार्थियों ने संबंधित अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याओं को विस्तृत रूप से रखा और उसका निदान भी प्राप्त किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग से आशा कार्यकर्ता बहने व एएनएम महिला बाल विकास से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता व सहायिका तथा पशु चिकित्सालय से पशु चिकित्सालय विभाग के कर्मचारीगण, पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारी, न्याय विभाग के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

अन्नदाता के द्वार पर आधुनिक तकनीक
आईटीआई परिसर में कृषि महाकुंभ का शंखनाद

शहडोल। जिले के किसानों की तकदीर और तस्वीर बदलने के संकल्प के साथ आईटीआई परिसर शहडोल में आत्मा एवं तिलहन मिशन के अंतर्गत दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषि मेले का भव्य आगाज हुआ। इस आयोजन ने न केवल कृषि जगत के आधुनिक नवाचारों को एक मंच पर ला खड़ा किया है, बल्कि किसानों को परंपरागत खेती की बेड़ियों से आजाद कर लाभकारी कृषि की ओर बढऩे का स्पष्ट संदेश भी दिया है। कार्यक्रम का शुभारंभ जयसिंहनगर विधायक श्रीमती मनीषा सिंह, जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी और जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।

खेती को मजबूरी नहीं, गर्व की दिनचर्या बनाएं- मुख्य अतिथि विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने अपने संबोधन में सीधा और मारक प्रहार करते हुए कहा कि कृषि केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था का आधार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस वर्ष को कृषि वर्ष घोषित किया है, जिसका सीधा अर्थ है कि अब सरकारी तंत्र की प्राथमिकता में केवल और केवल किसान होगा। उन्होंने दो-टूक शब्दों में कहा कि जब तक देश का किसान विकसित नहीं होगा, राष्ट्र की प्रगति का रथ आगे नहीं बढ़ सकता।

नवाचार अपनाएं, आय बढ़ाएं- जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी ने किसानों का आह्वान करते हुए कहा कि सरकार संकल्पित है, लेकिन सफलता तभी मिलेगी जब किसान स्वयं जागरूक होकर वैज्ञानिक पद्धतियों को गले लगाएगा। उन्होंने आधुनिक बीज, संतुलित खाद और नवीन यंत्रों के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि मेहनत और तकनीक का संगम ही किसान को आत्मनिर्भर बनाएगा।

जहर मुक्त खेती और जल संरक्षण- मेले में कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मृगेन्द्र सिंह ने तिलहन उत्पादन में क्रांति लाने के गुर सिखाए। उन्होंने संतुलित उर्वरक प्रबंधन और आधुनिक उपकरणों के महत्व को रेखांकित किया। वहीं, सहायक संचालक अनुराग पटेल और बी.के. प्रजापति ने जैविक व प्राकृतिक खेती के माध्यम से मृदा स्वास्थ्य को बचाने की पुरजोर वकालत की। **विभागीय स्टॉलों पर उमड़ी भीड़-** मेले में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन और मत्स्य पालन विभागों ने अपने स्टॉल लगाकर सरकारी योजनाओं का पिटारा खोल दिया। जिले भर से आए हजारों किसानों ने उन्नत कृषि यंत्रों में विशेष रुचि दिखाई। उप संचालक कृषि संग्राम सिंह ने विभाग की योजनाओं का खाका पेश किया, जिससे किसान अपनी लागत घटाकर मुनाफा बढ़ा सकें। कार्यक्रम में जिला पंचायत कृषि समिति सभापति हीरालाल कोल, जनपद सदस्य और भारी संख्या में जिले के प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

उमरिया में आज सार्वजनिक अवकाश

उमरिया। मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग,भोपाल के अनुपालन में तथा जनभावनाओं और स्थानीय परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए जिला उमरिया के लिए पूर्व में घोषित सार्वजनिक अवकाश में संशोधन किया जाता है। कैलेंडर वर्ष 2026 हेतु घोषित अवकाशों की सूची में महावीर जयंती के उपलक्ष्य में 31 मार्च को घोषित अवकाश के स्थान पर अब संपूर्ण उमरिया जिले में 30 मार्च 2026 को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। 31 मार्च मंगलवार को सभी शासकीय कार्यालय एवं संस्थाएं पूर्ववत खुले रहेंगे। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा।

कोल इंडिया ने एचबीए नियमों में किया संशोधन

राजनगर। कोल इंडिया लिमिटेड ने अपने कर्मचारियों को बड़ी राहत देते हुए हाउस बिल्डिंग एडवांस (एचबीए) के नियमों में अहम संशोधन किया है। नये प्रावधान के तहत अब पात्र कर्मियों को घर बनाने या खरीदने के लिए अधिकतम 30 लाख रुपये तक का एडवांस मिल सकेगा। कंपनी के अनुसार, यह सुविधा केवल नियमित कर्मियों को मिलेगी, जिन्होंने प्रोबेशन अवधि को छोड़कर कम से कम पांच वर्ष की सेवा पूरी कर ली है। हालांकि, यदि पति-पत्नी दोनों कोल इंडिया में कार्यरत हैं, तो इस योजना का लाभ केवल एक को ही मिलेगा। कर्मी को उसके 75 महीनों के वेतन (बेसिक, डीए आदि) या 30 लाख रुपये, जो भी कम हो, उतनी राशि दी जायेगी। जिस घर का निर्माण या खरीद की जा रही है, उसका क्षेत्रफल कम से कम 22 वर्ग मीटर होना अनिवार्य है। यह एडवांस नये घर के निर्माण, प्लॉट खरीदने, तैयार घर खरीदने या मौजूदा घर के विस्तार के लिए लिया जा सकता है। घर के विस्तार के लिए अधिकतम छह लाख रुपये तक की सीमा तय की गयी है, बशर्ते कर्मी की कम से कम तीन वर्ष की सेवा शेष हो। नियमों के अनुसार, कोई भी कर्मी अपने पूरे सेवाकाल में केवल एक बार ही इस एडवांस का लाभ उठा सकता है। साथ ही, यह ऋण अपने किसी ऐसे रिश्तेदार से जमीन या घर खरीदने के लिए नहीं दिया जायेगा, जो उन पर आश्रित हों।

यह भी जानें- पति या पत्नी में एक को ही मिलेगा लाभ, पांच वर्ष की सेवा पूरी करनेवाले कर्मी को ही मिलेगी सुविधा, अधिकतम 30 लाख रुपये या 75 महीने का वेतन (बेसिक व डीए), जो भी कम हो, मिलेगा, मकान का न्यूनतम क्षेत्रफल 22 वर्ग मीटर होना जरूरी, 55 वर्ष से अधिक उम्र के कर्मी योजना से बाहर कोल इंडिया ने तय किया है, कि ऐसे कर्मचारी, जिनकी सेवानिवृत्ति में 60 महीने (पांच वर्ष) से कम का समय बचा है, वे इस योजना के पात्र नहीं होंगे। अर्थात उम्र सीमा 55 साल से कम अधिक नहीं होना चाहिए।

नगर परिषद जयसिंह नगर: स्वच्छता के नाम पर सफेद हाथी

बदहाली की मार झेल रही जनता

जयसिंहनगर।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जहां एक ओर स्वच्छ भारत, विकसित भारत के संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए दिन-रात एक कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर नगर परिषद जयसिंहनगर के जिम्मेदारों ने इस सपने को कूड़े के ढेर में दबा दिया है। वर्तमान में जयसिंहनगर स्वच्छता के मानकों पर नहीं, बल्कि गंदगी के कीर्तिमानों पर चल रहा है। प्रशासनिक शून्यता और अधिकारियों की घोर लापरवाही के कारण आज पूरा नगर नरकीय स्थिति में तब्दील हो चुका है।

राम भरोसे सफाई व्यवस्था

नगर के सभी 15 वार्डों की स्थिति कमोबेश एक जैसी है। सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है। आलम यह है कि गलियों के मोड़ पर कचरे के पहाड़ खड़े हो गए हैं, लेकिन जिम्मेदार कुंभकर्णी नींद में सोए हैं। कागजों पर दौडऩे वाले सफाईकर्मी धरातल से गायब हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि न तो नियमित झाड़ू लगती है और न ही कचरा संग्रहण वाहन (डोर-टू-डोर गाड़ी) समय पर आता है। सप्ताह में एकाध बार दर्शन देने वाले कचरा वाहनों ने स्वच्छता अभियान का मखौल उड़ा कर रख दिया है।

आस्था और शिक्षा पर गंदगी का प्रहार

सबसे शर्मनाक स्थिति वार्ड क्रमांक 07 की है। यहां प्रसिद्ध दुर्गा मंदिर स्थित है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों श्रद्धालु अपनी आस्था लेकर पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें दुर्गंध और गंदगी के बीच से गुजरना पड़ता है। हद तो तब हो जाती है जब मंदिर के समीप ही स्थित प्राथमिक विद्यालय के मासूम बच्चों को इस सड़ांध के बीच बैठना पड़ता है। नालियों से निकलते जहरीले कीड़े और बजबजाती गंदगी के बीच मासूमों का भविष्य दांव पर लगा है।

बिना काम के बट रहा वेतन

नगर परिषद की कार्यप्रणाली को देखकर अंधेर नगरी, चौपट राजा वाली कहावत यहां सटीक बैठती है। आरोप है कि नगर परिषद में सफाई के नाम पर केवल खानापूर्ति हो रही है। सफाईकर्मी और संबंधित कर्मचारी बिना काम किए जनता की गाढ़ी कमाई से वेतन डकार रहे हैं। भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हैं कि चर्चा आम है कि यहां केवल फर्जी बिल-वाउचरों के माध्यम से सरकारी खजाने में सेंध लगाई जा रही है। विकास के नाम पर केवल कागजी घोड़े दौड़ाए जा रहे हैं, जबकि हकीकत में आम नागरिक मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं।

टैक्स वसूली में मुस्तैद

नगर परिषद प्रबंधन जनता से कर वसूली में तो जरा भी कोताही नहीं बरतता, लेकिन जब बात सुविधाओं की आती है, तो बजट का रोना रोया जाता है। नालियां कचरे से पटी पड़ी हैं, जिससे गंदा पानी सडक़ों पर बह रहा है। मच्छरों और जहरीले कीड़ों के प्रकोप से घर-घर में लोग बीमार पड़ रहे हैं। नगरवासियों का आक्रोश अब सातवें आसमान पर है। उनका कहना है कि यदि प्रशासन ने जल्द ही कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो वे उग्र आंदोलन को बाध्य होंगे।

प्रशासनिक हस्तक्षेप की दरकार

जयसिंहनगर की यह दुर्दशा अब बर्दाश्त से बाहर होती जा रही है। जिला प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल इस मामले में संज्ञान लेकर नगर परिषद की कार्यप्रणाली की समीक्षा करनी चाहिए। केवल नोटिस थमाने से काम नहीं चलेगा, अब धरातल पर सख्त कार्रवाई और ठोस सुधार की आवश्यकता है। यदि सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई और दोषियों को चिन्हित नहीं किया गया, तो यह गंदगी केवल सडक़ों पर नहीं, बल्कि आगामी चुनावों में जनप्रतिनिधियों के रिपोर्ट कार्ड पर भी भारी पड़ेगी।

निर्माण कार्य प्रारंभ करने की सूचना देना अनिवार्य

उमरिया। श्रमपदाधिकारी ने बताया कि श्रम विभाग द्वारा निर्माण स्थलों पर सुरक्षा एवं स्वस्थ कार्यस्थल बनाने और श्रमिकों को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का समुचित लाभ पहुंचाने के लिए महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल अंतर्गत निर्माण स्थलों पर श्रमिकों के लिए सुरक्षा व्यवस्था एवं सुरक्षा अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। श्रम सेवा पोर्टल मोबाईल ऐप पर निर्माण स्थल का पंजीयन विवरण,कर्मचारियो की संख्या,स्थान (लोकेशन) सहित अन्य आवश्यक जानकारी एकत्र की जा रही है, जिस पर नियोजक श्रमिको के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी दे सकते हैं। भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण अधिनियम 1996 के प्रावधानों अनुसार किसी भवन या अन्य संनिर्माण कार्य प्रारंभ करने से कम से कम 30 दिन पूर्व उस क्षेत्र में,जहां प्रस्तावित भवन एवं अन्य संनिर्माण कार्य किया जाना है,अधिकारिता रखने वाले निरीक्षक को स्थल,सुरक्षा उपाय सहित समस्त आवश्यक जानकारी साझा करना अनिवार्य है। निर्माण स्थलों की जानकारी या सूचना न देना नियम उल्लंघन माना जा सकता है और नियोक्ता पर जुर्माना एवं कार्रवाई हो सकती है। अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार यदि कोई नियोजक, धारा 46 के अधीन भवन या अन्य संनिर्माण कार्य के प्रारंभ की सूचना नही देता है,तो उसे कारावास,जिसकी अवधि तीन महीने तक की हो सकेगी या जुर्माना जो दो हजार रूपए तक अथवा दोनो हो सकता है। ऐसे किसी भी निर्माण स्थल की सूचना देने के लिए कंट्रोल रूम नंबर -18002338888 पर भी संपर्क कर सकते है। निर्माण कार्य का पंजीयन नही किये जाने पर नागरिक इस टोल फ्री नंबर पर जानकारी देकर शिकायत दर्ज करा सकेंगे।

नरवाई जलाने वाले किसानों पर लगेगा पर्यावरणीय मुआवजा

हार्वेस्टर में स्ट्रॉ मैनेजमेंट सिस्टम/स्ट्रा रीपर न होने पर मशीन होगी जब्त

उमरिया।

उप संचालक, कृषि संग्राम सिंह मरावी ने बताया कि गेहूं एवं अन्य फसलों के अवशेषों को खेतों में ही गलत तरीके से जलाए जाने को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित किया गया है तथा ऐसा करते हुए पाए जाने पर पर्यावरणीय मुआवजा अधिरोपित किया जाएगा।यदि कोई व्यक्ति/ संस्था ऐसा करते हुए पाया जाता है तो उसे नेशनल ग्रीन टिब्यूनल के नियमानुसार जिसमें नरवाई जलने पर 2 एकड़ या उससे कम भूमि धारक को 2500 रुपये प्रति घटना, 2 एकड से अधिक लेकिन 05 एकड़ से कम भूमि धारक से 5000 रुपये प्रति घटना,5 एकड़ से अधिक भूमि धारक से 15000 रुपये प्रति घटना शामिल है ।

उन्होने बताया कि मध्यप्रदेश शासन पर्यावरण विभाग द्वारा जारी अधिसूचना तथा जिले में गेहूं एवं अन्य फसलों की कटाई उपरांत अनेक अवशेष को जलाने से होने वाले प्रदूषण एवं आगजनी की घटनाओं से आमजन के स्वास्थ्य एवं उनकी जानमाल की सुरक्षा तथा भूमि की उर्वरा शक्ति नष्ट न हो इस उद्देश्य से उक्त सभी को दृष्टिगत रखते हुए जनहित में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा-163 (1) के अंतर्गत उमरिया जिले में गेहूं एवं अन्य फसलों को काटने के उपरांत अवशेष नरवाई को कोई भी कृषक अपने खेत पर नहीं जला सकेगा अर्थात फसल काटने के उपरांत अवशेषों को जलाना पूर्णतः प्रतिबंधित किया जाता है।

हार्वेस्टर मशीन संचालकों को यह अनिवार्य होगा कि वे हार्वेस्टर मशीन के साथ स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम या स्ट्रा-रीपर मशीन का उपयोग कर,फसल कटाई के बाद अवशेषों को स्थल पर ही भूसा बनाकर निपटान करेंगे। कम्बाइन हार्वेस्टर संचालक फसल कटाई प्रारंभ करने के पूर्व उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला उमरिया में अपना पंजीयन कराएंगे तथा फसल कटाई पंजी का संधारण उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास के निर्देशानुसार करेंगे। स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम या स्ट्रा-रीपर मशीन के उपयोग किये बिना यदि कोई कृषक फसल काटने हेतु दबाव बनाता है तो संबंधित कम्बाइन हार्वेस्टर संचालक इसकी सूचना तत्काल संबंधित ग्राम पंचायत निगरानी समिति (पटवारी/कृषि विस्तार अधिकारी/ पंचायत सचिव/रोजगार सहायक/ग्राम कोटवार/ संबंधित थाना प्रभारी) को देना अनिवार्य होगा। हार्वेस्टर मशीन एंव स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम या स्ट्रा-रीपर मशीन (भूसा बनाने के संयंत्र) से भूसा बनाने के दौरान निकलने वाली चिंगारी से आगजनी की घटना को रोकने हेतु मशीन संचालक अग्नि सुरक्षा संयंत्र के साथ-साथ आग बुझाने के लिए रेत एवं पानी की व्यवस्था भी सुनिश्चित करेंगे।

उन्होने कहा कि खेतों के आसपास लगे ट्रांसफार्मर से कभी-कभी शॉर्ट सर्किट से भी आगजनी की घटनाएँ हो जाती है, जिस हेतु अधीक्षण यंत्री म.प्र. राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमि. यह सुनिश्चित करेंगे कि ट्रांसफार्मर से फसल नष्ट होने का खतरा तो नहीं है, खतरे की स्थिति में किसान की सहमति से ट्रांसफार्मर के आसपास 10वाय10 फीट क्षेत्र को खुला रखा जावे। ताकि शॉर्ट सर्किट से कोई भी फसल हानि न हो सके। यदि कोई व्यक्ति (नरवाई) संस्था जिले के अंतर्गत गेहूं एवं अन्य फसलों की कटाई उपरांत फसल अवशेषों को जलाता है, तो उसे राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल के निर्देशानुसार आदेश के पैरा-1 में वर्णित नियमानुसार पर्यावरण मुआवजे के साथ आदेश के उल्लंघन के लिये-अर्थदण्ड के साथ भारतीय न्याय संहिता के तहत दण्डित किया जायेगा।

धुंधले बिलों से छुपाव, बढ़े हुए बिलों से निकासी और गौशाला घोटाला

मुख्य कार्यपालन अधिकारी के कार्यकाल पर भ्रष्टाचार के आरोप

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना।

मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की जनपद पंचायत इन दिनों भ्रष्टाचार और सरकारी राशि की बंदरबांट का मुख्य केंद्र बन गई है। आरोप है कि यहाँ विकास कार्यों के नाम पर जनता के टैक्स के पैसों की सरेआम लूट मची है और इस पूरे खेल को जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी का मूक संरक्षण प्राप्त है। अधिकारियों और पंचायत प्रतिनिधियों की सांठगांठ से एक ऐसा 'सिस्टम' तैयार कर लिया गया है, जहां नियम-कानूनों की कोई अहमियत नहीं रह गई है।

कैसे अंजाम दिया जाता है इस भ्रष्टाचार को?

जनपद पंचायत अनूपपुर में भ्रष्टाचार कोई छिटपुट घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित प्रक्रिया बन चुकी है। इसे मुख्य रूप से इन तीन तरीकों से अंजाम दिया जा रहा हैः।

1. खरीद नियमों की सरेआम धज्जियां उड़ाना

सरकारी खजाने से पैसा निकालने के लिए सबसे पहले 'मध्य प्रदेश पंचायत (सामग्री और माल की खरीद) नियम, 1999' को दरकिनार किया जाता है। नियमानुसार किसी भी सामग्री की खरीद के लिए टेंडर या कोटेशन मंगाना अनिवार्य है ताकि सही दाम पर गुणवत्तापूर्ण सामान मिल सके। लेकिन यहाँ बिना किसी टेंडर के चहेते सप्लायरों से बाजार भाव से कई गुना अधिक (इन्फ्लेटेड) कीमतों पर सामान खरीदा जाता है और बीच का कमीशन अपनी जेबों में भर लिया जाता है।

2. 'धुंधले बिलों' का डिजिटल फरेब

ऊंचे दामों पर की गई इस फर्जी खरीददारी को छुपाने के लिए पोर्टल पर एक शातिर तरीका अपनाया जा रहा है। ग्राम पंचायतों द्वारा जानबूझकर पोर्टल पर ऐसे धुंधले और अस्पष्ट बिल अपलोड किए जाते हैं, जिन्हें पढ़ना नामुमकिन हो। इसका मकसद यह है कि अगर कोई आम नागरिक या आरटीआई कार्यकर्ता इन बिलों की जांच करना चाहे, तो उसे यह पता ही न चल सके कि कौन सा सामान, किस दुकान से और किस कीमत पर खरीदा गया है।

3. बिना काम किए 'कम्पलीशन सर्टिफिकेट' जारी करना

भ्रष्टाचार का तीसरा और सबसे खौफनाक चरण है। कागजों पर काम पूरा दिखाना। धरातल पर एक ईंट भी नहीं रखी जाती, लेकिन मिलीभगत से इंजीनियरों और अधिकारियों द्वारा उस कार्य का 'पूर्णता प्रमाण पत्र' जारी कर दिया जाता है और पूरी राशि निकाल कर आपस में बांट ली जाती है। गौशाला चारागाह के नाम पर 4.32 लाख का फर्जीवाड़ाः एक जीता-जागता उदाहरण इस लूट तंत्र का सबसे बड़ा और ताजा उदाहरण 'गौशाला चारागाह सिद्धबाबा प्यारी क्र 1' का निर्माण है। सरकार ने यह योजना इसलिए बनाई थी ताकि गौशालाओं के आसपास गायों को पर्याप्त चारा मिल सके। कार्य का नामः गौशाला चारागाह सिद्धबाबा प्यारी क्र 1 वर्क कोडः 1746002039/ स्व/ 22012034526485 निकाली गई राशिः 4,32,180 रुपये इस कार्य में धरातल पर कोई चारागाह नहीं बना है। लेकिन अधिकारियों की मिलीभगत से फर्जी तरीके से 4 लाख 32 हजार 180 रुपये निकाल लिए गए। सबसे हैरानी की बात यह है कि इस कार्य को पूर्ण बताकर इसका 'कम्पलीशन सर्टिफिकेट' भी जारी कर दिया गया है।

सीएम हेल्पलाइन भी बेअसर, सीईओ कर रहे मामले की लीपापोती?

इस खुले भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूक नागरिकों द्वारा सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज कराई गई है। लेकिन सिस्टम की जड़ें इतनी गहरी हैं कि एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बाद भी जनपद पंचायत सीईओ द्वारा केवल जांच का दिखावा किया जा रहा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि सीईओ ने आज तक उनसे संपर्क कर बयान लेना या सुबूत मांगना तक जरूरी नहीं समझा। इससे साफ प्रतीत होता है कि आला अधिकारी खुद इस भ्रष्टाचार की लीपापोती करने और दोषियों को बचाने में लगे हुए हैं। अब देखना यह है कि क्या जिला कलेक्टर और लोकायुक्त इस 'लूट के सिस्टम' को तोड़ने के लिए कोई सख्त कदम उठाएंगे या फिर जनता की गाढ़ी कमाई यूं ही भ्रष्टाचारियों की ऐशो-आराम की भेंट चढ़ती रहेगी।

जीओ और जीने दो का मार्ग दिखा गये भगवान महावीर

राजनगर। 'अहिंसा और करुणा के साक्षात विग्रह भगवान महावीर का जीवन सत्य की खोज और आत्म-विजय की एक अनुपम गाथा है। उन्होंने 'जीओ और जीने दो' के संदेश से संपूर्ण मानवता को कल्याण का मार्ग दिखाया। उनकी जन्मस्थली बिहार की पावन धरा युगों-युगों तक उनके उपदेशों के जरिये समस्त संसार को कल्याण का मार्ग दिखाती रहेगी।' सत्य, अहिंसा, ज्ञान और विश्व-बंधुत्व के उद्घोष से मानवता को आलोकित करने वाला जैन धर्म भारत की प्राचीनतम परंपराओं में से एक है, आदि तीर्थंकर ऋषभदेव से लेकर भगवान महावीर स्वामी तक इस धर्म ने 24 तीर्थंकरों और दर्जनों गणधरों के माध्यम से आत्म-कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया है। जहां ऋषभदेव के अतिरिक्त 20 तीर्थंकर प्रागैतिहासिक काल की धरोहर हैं, वहीं नेमिनाथ, पार्श्वनाथ और वर्द्धमान महावीर ऐतिहासिक पुरुष के रूप में प्रतिष्ठित हैं। जैन दर्शन में 'तीर्थंकर' शब्द का अर्थ उस महापुरुष से है, जो धर्म-तीर्थ का प्रवर्तन करता है और संसार-सागर से पार उतरने का मार्ग दिखाता है। जैन आगम परंपरा के अनुसार, काल के प्रत्येक चक्र में 24 तीर्थंकरों का अवतरण होला है। वर्तमान चौबीसी के अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर के वीर, वर्द्धमान, सन्मति और अतिवीर जैसे पांच नाम विख्यात हैं। उन्हें अर्हत, जितेंद्रीय और निग्रंथ भी कहा गया है, जबकि बौद्ध ग्रंथों में उन्हें 'निर्गठनाथ पुत्र' यानी बंधन-रहित पुकारा गया है।

भगवान महावीर के जन्मस्थान की लेकर इतिहास और मान्यताओं पर तीन प्रमुख मत प्रचलित हैं, जो कुण्डग्राम (वैशाली), लहुआर (जमुई) और कुंडलपुर (नालंदा) के रूप में विख्यात हैं। विद्वान डॉ. हवलदार त्रिपाठी के अनुसार, बुद्ध के समकालीन महावीर का जन्म वैशाली के निकट कुण्डग्राम के राजा सिद्धार्थ के क्षत्रिय कुल में हुआ था। प्राचीन लिच्छवियों की राजधानी वैशाली में जन्म लेने के कारण ही उन्हें विदेहदत्र, विदेहसुकुमार और वैशालिक जैसी

उपाधियां मिली। आधुनिक मुजफ्फरपुर के बसाद को ही प्राचीन वैशाली माना जाता है, जहां का 'वासु कुंड' शास्त्रोक्त कुण्डग्राम के रूप में मान्य है। यहां वर्ष 1948 से वैशाली महोत्सव का आयोजन हो रहा है और 30 अप्रैल, 1956 में प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने यहां के नवनिर्मित स्थलों का अनावरण किया था। जैन विद्वान डॉ ऋषभ चंद्र जैन और डॉ. योगेंद्र मिश्रा जैसे विद्वानों ने पुरातात्विक साक्ष्यों के आधार पर कुण्डग्राम को ही प्रामाणिक जन्मस्थली सिद्ध किया है। दूसरी ओर, श्वेतांबर मत के अनुयायी जमुई जिले के लछुआर (क्षत्रिय कुंड) को भगवान महावीर की जन्म-कल्याणक भूमि मानते हैं। क्यूल और नवादा से सड़क मार्ग द्वारा जुड़ा यह क्षेत्र प्राकृतिक छटा और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत है। गदाधर प्रसाद अंवष्ठ की कृति 'बिहार दर्पण' में यहां के विशाल जैन मंदिरों और प्राचीन मठों का उल्लेख मिलता है, दिसंबर, 1984 में शिखरजी में आयोजित अखिल भारतीय इतिहास सम्मेलन में भी विद्वानों ने सर्वसम्मति से लछुआर की दक्षिणी सीमा पर स्थित कुंडग्राम को महावीर की जन्मस्थली के रूप में स्वीकार किया था। यहां के प्राचीन अवशेष आज भी उस युग की गौरवगाथा कहते हैं।

जन्मस्थान की तीसरी प्रबल मान्यता नालंदा स्थित कुंडलपुर की है। प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय के भग्नावशेषों से मात्र दो किलोमीटर दूर स्थित यह स्थल अपनी भव्यता के लिए प्रसिद्ध है। यहां वर्ष 2003 से कुंडलपुर महोत्सव आयोजित हो रहा है, जिसे 2010 से बिहार सरकार ने राजकीय महोत्सव का दर्जा दिया है. यहां की मान्यता है कि 2618 वर्ष पूर्व चैत्र शुक्ल त्रयोदशी को महाराजा सिद्धार्थ और माता त्रिशला के घर महावीर का जन्म यहीं हुआ था। हालांकि श्वेतांबर परंपरा इस स्थान को महावीर के प्रमुख गणधरों- इंद्रभूति, अग्निभूति और वायुभूति की जन्मभूमि मानती है, किंतु दिगंबर मत और स्थानीय आगम साहित्यों के अनुसार, कुंडलपुर ही मूल जन्मस्थान है। इन तीनों स्थलों वैशाली, लछुआर और कुंडलपुर का अवलोकन करने पर एक अद्भुत 'त्रिगत्ते की संरचना मस्तिष्क में उभरती है। अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के गौरख प्रांत के पूर्व प्रधान डॉ महेश कुमार शरण का मत है कि ये तीनों डी क्षेत्र समान रूप से वंदनीय और पुण्य प्रताप के केंद्र हैं। यह भारतीय इतिहास की एक अनूठी घटना है कि किसी महापुरुष के जन्मस्थान को लेकर तीन स्थल समान श्रद्धा के साथ जीवंत हैं। जिस प्रकार माता त्रिशला ने महावीर के जन्म से पूर्व 16 मंगलकारी स्वप्न देखे थे, उसी प्रकार बिहार की यह पुरातन प्रज्ञा-भूमि इन तीनों स्थलों के माध्यम से महावीर के आदर्शों को संजोये हुए हैं। वस्तुतः आस्था और इतिहास के इन केंद्रों के बीच कोई

परिवहन विभाग के नियम कानून की उड़ रही धज्जियां, नगर में बाइकर्सो का आतंक, बिना नंबर के दौड़ रहे वाहन

मॉडिफाई साइलेंसर लगवा रहे युवा मचा रहे उत्पात

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर की सड़कों पर सुबह शाम तेज गति से चलने वाले बाईकर्सो का आतंक देखते ही बनता है इनके द्वारा बिना नंबर के वाहन बेलगाम गति से फर्राटा भरते नजर आ रहे है। स्टंट बाजी करते हुए इन वाहनों की तेज रफ्तार देखकर लोगों की रूह काप जाती हैं। उनके द्वारा अपने वाहनों पर मॉडिफाई साइलेंसर लगाए गए हैं जो कानफोडू आवाज देते हैं। परिवहन विभाग की प्रतिबंधता के बावजूद आढे तिरछे वाहन नंबर मॉडिफाई साइलेंसर बिना लाइसेंस के वाहन चलाना जैसे युवाओ के लिए सामान्य बात हो गई है। पुलिस के द्वारा कड़ाई से कार्यवाही न करने के कारण इनके मन से पुलिस का भय समाप्त हो चुका है। लोगों ने बताया की साप्ताहिक बाजार के दिन भीड़ रहती है और बाजार के अंदर यह वाईकर्स घुस जाते हैं

और अपने कान फोडू साइलेंसर से लोगों का जीना हराम कर देते हैं। इस संबंध में नगर के प्रबुद्ध जनों द्वारा पूर्व में शांति समिति की बैठक के दौरान कार्यवाही करने की आवाज उठाई गई थी। परंतु लंबा समय बीत जाने के बाबजूद कार्यवाही के नाम पर कुछ भी नहीं हुआ। नागरिकों ने थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल से ऐसे वाहन चालकों पर शक्ति से चालानी कार्यवाही करते हुए वाहनों में लगाए गए कानफोडू साइलेंसर को निकलवा कर थाने में जमा करवाने की कार्यवाही की मांग की है।

खबर संक्षेप

महावीर जयंती पर आज रहेगा सार्वजनिक अवकाश

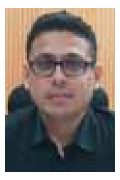

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी हर्षल पंचोली द्वारा मध्य प्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशों के अनुपालन में जिले हेतु पूर्व घोषित सार्वजनिक अवकाश में संशोधन किया गया है। जनभावनाओं एवं स्थानीय परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। जारी आदेश के अनुसार महावीर जयंती के उपलक्ष्य में अब आज 30 मार्च (सोमवार) को जिले में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। पूर्व में घोषित 31 मार्च (मंगलवार) का अवकाश निरस्त कर दिया गया है। निर्देशानुसार, 31 मार्च (मंगलवार) को जिले के समस्त शासकीय कार्यालय, शैक्षणिक संस्थान एवं बैंक पूर्ववत खुले रहेंगे तथा नियमित कार्य संपादित किए जाएंगे।

बकहो नगर परिषद में एल्डरमैन की नियुक्ति, क्षेत्र में खुशी की लहर

अमलाई। नगर परिषद बकहो में एल्डरमैन पद पर स्थानीय नागरिकों की नियुक्ति किए जाने से क्षेत्र में खुशी का माहौल है। नगर विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से इन अनुभवी एवं समाजसेवी व्यक्तियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।नियुक्त किए गए एल्डरमैन में पंकज नापित (वार्ड क्रमांक 01), अनिल वर्मा (वार्ड क्रमांक 04), राहुल जैन (वार्ड क्रमांक 04) एवं रजनीश प्रसाद मिश्रा (वार्ड क्रमांक 09) शामिल हैं। ये सभी लंबे समय से सामाजिक कार्यों में सक्रिय रहे हैं और क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते रहे हैं।स्थानीय नागरिकों ने इन नियुक्तियों का स्वागत करते हुए विश्वास जताया है कि सभी नवनियुक्त एल्डरमैन नगर परिषद बकहो के विकास, स्वच्छता, आधारभूत सुविधाओं और जनसमस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।नवनियुक्त सदस्यों ने भी जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करेंगे और क्षेत्र के समग्र विकास के लिए सतत प्रयासरत रहेंगे।

तीन दिवसीय पुस्तक मेले का आयोजन 9 अप्रैल से

शहडोल। जिला शिक्षा अधिकारी शहडोल ने जानकारी दी है कि नवीन शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ में 9 अप्रैल से 11 अप्रैल 2026 तक पुस्तक मेले का आयोजन दिव्यांग बालक छात्रावास, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण शहडोल संभाग शहडोल के सामने पाण्डवनगर शहडोल में किया जाएगा। उक्त पुस्तक मेले में विद्यार्थियों द्वारा क्रय की जाने वाली पुस्तकें, स्टेशनरी, यूनीफार्म, शूज इत्यादि उचित मूल्य पर सुलभ होगें।

महावीर जयंती के अवसर आज सार्वजनिक अवकाश घोषित

शहडोल। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट डॉ केदार सिंह द्वारा जारी आदेशानुसार, वर्ष 2026 के लिए घोषित सामान्य अवकाश में संशोधन किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार पूर्व में महावीर जयंती का अवकाश 31 मार्च को घोषित किया गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार जैन समाज द्वारा महावीर जयंती का पर्व 30 मार्च सोमवार को मनाया जाना सुनिश्चित हुआ है। उक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर डॉ.केदार सिंह ने संशोधित आदेश जारी करते हुए 31 मार्च 2026 के स्थान पर अब 30 मार्च को शहडोल जिले में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। 31 मार्च मंगलवार को जिले के सभी शासकीय कार्यालय एवं संस्थाएं यथावत खुली रहेंगी।

बदमाशों की हुई पहचान, शीघ्र होगी गिरफ्तारी

कटनी। डन कॉलोनी में गत सुबह एक महिला की सोने की चैन छीनकर चंपत हुए बाइक सवार दो बदमाशों की पुलिस ने पहचान कर ली है और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं।

ज्वाला धाम उचेहरा से निकला ऐतिहासिक जवारा जुलूस, आस्था का उमड़ा सैलाब

आस्था और विश्वास का अद्भुत संगम, मां ज्वाला के दरबार में उमड़ी श्रद्धा

जिले के नौरोजाबाद क्षेत्र अंतर्गत स्थित प्रसिद्ध मां ज्वाला धाम उचेहरा में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर आज ऐतिहासिक जवारा जुलूस निकाला गया, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरा क्षेत्र भक्ति में सराबोर नजर आया। प्रदेश के कोने-कोने से पहुंचे भक्तों ने मां ज्वाला के दर्शन कर अपनी मनोकामनाएं मांगी।

उमरिया।

मंदिर परिसर जयकारों से गूंज उठा और भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। मंदिर में 9 दिनों तक मां की सेवा में लीन रहकर महाराज जी द्वारा गोद में जवारे बोए गए। इस दौरान उन्होंने न तो अन्न ग्रहण किया और न ही जल, बल्कि पूरी निष्ठा, तप और समर्पण के साथ मां की उपासना में दिन-रात लगे रहे। उनकी अटूट आस्था और श्रद्धा मंदिर में आने वाले भक्तों के लिए एक अद्भुत और दर्शन योग्य दृश्य बनी रही। महाराज जी द्वारा अपने नगर, जिला और प्रदेश के साथ-साथ सभी श्रद्धालुओं के परिवारों के सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाल जीवन के लिए मां ज्वाला से प्रार्थना की गई, जिसने पूरे वातावरण को और अधिक आध्यात्मिक बना दिया। मंदिर से निकला जवारा जुलूस सीधे विसर्जन स्थल पहुंचा, जहां विधि-विधान के साथ जवारों का विसर्जन किया गया। जुलूस के दौरान अपने सिर पर जवारे धारण किए बच्चे, महिलाएं और युवा नंगे पांव आस्था के साथ शामिल हुए, जो श्रद्धा और विश्वास का अद्भुत दृश्य प्रस्तुत कर रहे थे। मां काली के नेतृत्व में निकाली गईं अनेक भव्य झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहीं। झांकियों की भव्यता ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। नवरात्रि के नौ दिनों तक मां की उपासना और कन्या पूजन के पश्चात निकाला गया यह जवारा जुलूस आस्था, विश्वास और परंपरा का प्रतीक माना जाता है, जिसमें शामिल होकर श्रद्धालु पुण्य लाभ प्राप्त करते हैं। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण की व्यवस्था की गई, जहां भक्तों ने प्रसाद ग्रहण कर मां का

आशीर्वाद प्राप्त किया। मौके पर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। रात्रि में भव्य देवी जागरण का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायिका अलका चंद्राकर द्वारा भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी जाएगी, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो जाएगा।

बहुजन गोंडवाना पार्टी का हल्ला बोल, जीएम ऑफिस घेरा

सफाई मित्रों का अपमान धनपुरी में कोहराम!

धनपुरी।

कोयलांचल के सेंट्रल हॉस्पिटल बुढार में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। अस्पताल को स्वच्छ रखने वाले सफाई कर्मचारियों के साथ कथित तौर पर जातिगत गाली-गलौज, आर्थिक शोषण और नौकरी से निकालने की धमकियों ने अब एक बड़े जनांदोलन का रूप ले लिया है। इस मुद्दे पर बहुजन गोंडवाना पार्टी ने आर-पार की जंग छेड़ते हुए सोहागपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक कार्यालय पर धावा बोला और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए ज्ञापन सौंपा।

जातिगत प्रताडऩा और वेतन डकैती का सनसनीखेज आरोप

पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रवीण चौधरी और संगठन मंत्री इस्माइल अहमद अंसारी ने आरोप लगाया है कि ठेकेदार रवि तिवारी, सुपरवाइजर अभिषेक तिवारी और सेनेटरी ऑफिसर सोने लाल राय ने सफाई मित्रों का जीना मुहाल कर दिया है। आरोप है कि कर्मचारियों को सरेआम जातिगत रूप से अपमानित किया जाता है और आवाज उठाने पर सीधे नौकरी से बाहर करने का फरमान सुना दिया जाता है। इतना ही नहीं, पसीना बहाने वाले इन मजदूरों के हक के वेतन में भी बड़ी कटौती की जा रही है, जो सीधे तौर पर आर्थिक डकैती है।

सात दिन का अल्टीमेटम

बहुजन गोंडवाना पार्टी ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यह मजदूरी का नहीं, बल्कि मजदूर के स्वाभिमान का सवाल है। पदाधिकारियों ने दो-टूक कहा कि यदि एक सप्ताह के भीतर दोषी ठेकेदार और अधिकारियों पर गाज नहीं गिरी, तो पार्टी आमरण अनशन पर बैठने के लिए मजबूर होगी। ज्ञापन सौंपने के दौरान विधानसभा प्रभारी आदित्य कुमार, महिला मोर्चा अध्यक्ष आशा वंशकार सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। मामले की गंभीरता को देखते हुए क्षेत्र में भारी आक्रोश है। अब देखना यह है कि प्रबंधन इन शोषकों को संरक्षण देता है या फिर पीड़ित सफाई कर्मचारियों को न्याय दिलाता है।

जुलूस मार्ग एवं घाटों में व्यवस्थाओं के लिए जुटा रहा अमला

जवारा विसर्जन पर्व के दौरान नगर निगम प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए शहर में व्यापक एवं सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के प्रयास जारी रहे। देर रात तक निगम का अमला विभिन्न विसर्जन घाटों, जुलूस मार्गों एवं प्रमुख चौराहों पर मुस्तैदी के साथ तैनात रहा और व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए अपने दायित्वों के निर्वहन में जुटा रहा। निगम प्रशासन द्वारा धार्मिक आयोजनों के मद्देनजर सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति एवं यातायात समन्वय जैसी आवश्यक व्यवस्थाओं को प्राथमिकता दी गई।

बकाया वसूली को लेकर निगम प्रशासन ने की बड़ी कार्यवाही

बकाया कर जमा नहीं करने पर तीन दुकानों में नगर निगम ने जड़ा ताला

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

वित्तीय वर्ष की समाप्ति के सीमित बचे चार दिवसों में बकाया करों की वसूली को लेकर नगर निगम प्रशासन द्वारा सख्त रुख अपनाते हुए शनिवार प्रातः एक और बड़ी कार्यवाही की गई है। निगम स्वामित्व की बस स्टैंड परिसर में संचालित तीन दुकानों पर लंबे समय से कर बकाया होने के चलते कार्रवाई करते हुए ताला लगा दिया गया।

राजस्व अधिकारी जागेश्वर प्रसाद पाठक ने बताया कि बकाया वसूली को लेकर बस स्टैंड की जिन तीन दुकानों में कार्यवाही की गई है उनमें दुकान नंबर 62 के आवंटी पर अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक

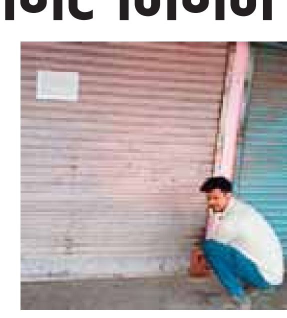

कुल 16 हजार 989 रूपये बकाया थी। इसी प्रकार दुकान नंबर 9 के आवंटी पर अप्रैल 2025 से मार्च 2026 तक की किराया राशि 17 हजार 866 रूपये जमा नहीं की जा रही थी। जबकि दुकान नंबर 47 के आवंटी द्वारा जनवरी 2025 से मार्च 2026 की बकाया किराया राशि 9 हजार 850 रूपये निगम कोष में जमा नहीं की गई थी। निगम प्रशासन द्वारा संबंधित दुकानदारों को पूर्व में कई बार नोटिस जारी कर बकाया राशि जमा करने हेतु सूचित किए जाने तथा हाल ही में शासन द्वारा 31 मार्च तक प्रदत्त की जा रही लोक अदालत की छूट की जानकारी दिए जाने के बावजूद भी बकाया किराया राशि का भुगतान नहीं किए जाने पर यह कार्रवाई की गई है।

निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि वित्तीय वर्ष की समाप्ति निकट होने के कारण बकाया करों की वसूली हेतु अभियान लगातार जारी रहेगी। करदाताओं से अपील की गई है कि वे समय पर अपने बकाया करों का भुगतान कर अनावश्यक कार्रवाई से बचें।

दूसरे चरण के लिये 6 अप्रैल से 10 जून तक कर सकेंगे आवेदन

शासकीय छात्रावासों में इस वर्ष प्रवेश प्रक्रिया की पूरी तरह होगी ऑनलाइन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित शासकीय छात्रावासों में वर्ष 2026 के लिए प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस वर्ष विभाग ने प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन कर दिया है। इसके लिए एजुकेशन पोर्टल 3.0 के माध्यम से विशेष ई-हॉस्टल प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है। कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका एवं बालक छात्रावासों में विशेष रूप से वंचित वर्ग के बालक-बालिकाओं को उच्च प्राथमिक स्तर की शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पारदर्शी ऑनलाइन प्रवेश प्रणाली प्रारंभ की गई है।

ई-हॉस्टल प्रबंधन प्रणाली एक समेकित डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों में प्रवेश प्रक्रिया, सीट आवंटन, अभिलेख संधारण और प्रशासनिक कार्यों को ऑनलाइन एवं पारदर्शी तरीके से संचालित करने के लिए विकसित किया गया है। ई-हॉस्टल प्रबंधन प्रणाली विशेष रूप से कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) टाइप-I एवं टाइप-III तथा नेताजी सुभाष चंद्र बोस (एनएससीबी) बालक/ बालिका छात्रावासों के पारदर्शी प्रबंधन और उनमें प्रवेश की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित की गई है। https://educationportal3.in पर जाकर करना होगा आवेदनछात्रावासों में कक्षा 6वीं एवं अन्य कक्षाओं की रिक्त सीटों पर प्रवेश के लिए विद्यार्थी प्रथम चरण में 30 मार्च 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। प्रथम चरण के बाद सीट्स रिक्त रहने की स्थिति में द्वितीय चरण के आवेदन की प्रक्रयि शुरू होगी। यह 06 अप्रैल से 10 जून 2026 तक चलेगी।

छात्रावास में प्रवेश के लिए अभिभावकों, विद्यार्थियों को ऑनलाइन आवेदन करना होगा। यह आवेदन एमपी ऑनलाइन कियोस्क सेन्टर के माध्यम से स्कूल शिक्षा विभाग की वेबसाइट पर जाकर करना होगा। इसके साथ ही यदि किसी अभिभावक/पालक/ विद्यार्थी को आवेदन फॉर्म भरने में किसी प्रकार की समस्या आती है, तो वे संबंधित वार्डन के सहयोग से भी आवेदन फॉर्म भर सकते हैं।

छात्रावासों में लक्ष्य के अनुसार 50, 100, 150, 175, 200, 220 तथा 275 सीटें उपलब्ध हैं। कक्षा 6 से 8 तक की बालिकाओं को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (टाइप-I) एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस बालिका छात्रावासों में प्रवेश दिया जाता है। वहीं कक्षा 6 से 12 तक की बालिकाओं को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (टाइप-III) में प्रवेश की पात्रता होती है।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में छात्रावास की मार्गदर्शिका के अनुसार 75 प्रतिशत सीटें अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग की बालिकाओं के लिए निर्धारित हैं, जबकि 25 प्रतिशत सीटें गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) जीवन-यापन करने वाले परिवारों की बालिकाओं के लिए आरक्षित हैं।

राम जन्म होते ही गूंजे जयघोष, मंदिरों में हुई महाआरती, गाये बधाई गीत

रामनवमीं पर निकली शोभयात्रा, लघु वृंदावन धाम दीपों से हुआ जगमग

हरिभूमि न्यूज ⏭ स्लीमनाबाद

कौशिल्या नन्दन प्रभू श्रीराम का जन्मोत्सव शुक्रवार को बड़े ही श्रद्धा, भक्ति ,जोश व उत्साह के साथ धूम-धाम से मनाया गया। रामनवमी के अवसर पर शुक्रवार को सुबह से ही मंदिरो में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी।लघु वृन्दावन धाम बांधा इमलाज में दोपहर में प्रभू का जन्म होने के साथ ही समूचा मंदिर परिसर राम नाम के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। भगवान राम के जन्मोत्सव पर उनका पूरे विधान के साथ अभिषेक किया गया। इसके बाद विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई और भव्य आरती का आयोजन किया गया। भगवान के जन्म के शुभ अवसर पर महिलाओं

ने गीत गाए।जन्म लये रघुरैया, अवधपुर में बाजे बधाइया।चला चली देखन अवध बहार ,रामजी जन्म लये है रे जैसे एक से बढ़कर एक बधाई गीत गाये गए। मंदिर परिसर में बड़ी तादाद में प्रभू की एक झलक पाने उत्सुक नजर आए। प्रभू की आरती के बाद सभी को प्रसाद वितरण किया गया।

लघु वृंदावन धाम से शोभायात्रा निकाली गई।देर शाम दीपो की रोशनी से लघु वृंदावन धाम जगमगा उठा ।इस दौरान नवनीत चतुर्वेदी, महेश पाठक,अर्पित अवस्थी, सीताराम मिश्रा, द्वारका मिश्रा, बाल्मीक मिश्रा,मनोज पाठक, कृष्णकांत पांडेय,ओमप्रकाश दुबे, सतेंद्र त्रिपाठी, रिंकू दुबे,उमेश पाठक सहित अन्य जनो की उपस्थिति रही।

स्लीमनाबाद के प्रसिद्ध हरिदास ब्रजधाम कोहका में मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मोत्सब पूर्ण श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। दोपहर साढ़े बारह बजे आतिशबाजी ढोल नगाड़ों की ध्वनियों के बीच भए प्रगट कृपाला दीनदयाला कौशल्या हितकारी के उदघोष सुनाई देने लगे। खचाखच भरे मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं ने भगवान की स्तुति गाई तदुपरांत बधाई गीत गाये गए।। मंदिर प्रांगण में शुरू हुआ बधाई गीतों का सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। घर घर होत बधाए ,ललना राम अवधपुर आए की प्रस्तुति ने उपस्थित लोगों को भक्ति रस में सराबोर कर दिया।

राजस्व वसूली की लक्ष्यपूर्ति के लिये घरों में दस्तक दे रही निगम की टीम, शिविरों का भी हो रहा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगर निगम द्वारा करों की वसूली के लिए एक ओर जहां शिविरों का आयोजन किया जा रहा है वहीं दूसरी ओर गठित टीम घर घर पहुंच रही है।

करदाताओं को बकाया कर जमा करने में किसी तरह की असुविधा का सामना न करना पड़े इस हेतु नगर निगम कार्यालय सहित दो जोन कार्यालय माधव नगर एवं दुर्गा चौक खिरहनी के अलावा मुख्य बाजार क्षेत्रों सुभाष चौक और बस स्टैंड पुलिस चौकी के पास विशेष शिविरों का आयोजन किया जाकर शेष करदाताओं को छूट के सुनहरे अवसर से लाभान्वित करने की कार्यवाही की जा रही है।

इसके अतिरिक्त बकाया करों की छूट से अधिक से अधिक करदाताओं को लाभान्वित करने हेतु निगम की वसूली टीम सक्रियता के साथ घर घर दस्तक अभियान के तहत नगरीय एवं उपनगरीय क्षेत्रों के बकायेदारों से संपर्क किया जाकर छूट एवं 1 अप्रैल 2026 से लगने वाली पेनल्टी की जानकारी दी जाकर बकाया करों को 31 मार्च के पूर्व जमा करने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। वहीं निगम निगम के अधिकारियों का सामूहिक दल भी अभियान चलाकर बड़े बकायेदारों से संपर्क कर ठोस कार्यवाही करते हुए बकाया करों की राशि निगम कोष में जमा कराने के प्रयासों में जुटा है।

निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने बताया कि यह निर्णय 15वें वित्त आयोग की शर्तों एवं प्रदेश की आर्थिक वृद्धि (GSDP) को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

खबर संक्षेप

नपा अनूपपुर के कर्मचारी आज से कलम बंद हड़ताल पर

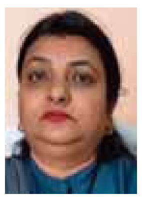

अनूपपुर। नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई अनूपपुर की अध्यक्ष गजाला परवीन के नेतृत्व में निकाय के कर्मचारियों द्वारा आज से नगर पालिका परिषद प्रांगण के पास कलम बंद हड़ताल प्रारंभ की जा रही है। बताया गया कि मुख्य नगर पालिका अधिकारी अनूपपुर को 26 मार्च को ज्ञापन दिया गया एवं उसकी प्रतिलिपि कलेक्टर अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर, संयुक्त संचालक नगरीय प्रशासन एवं विकास शहडोल एवं सुरेन्द्र सिंह सोलंकी प्रदेश अध्यक्ष मध्यप्रदेश नगर निगम, नगर पालिका कर्मचारी संघ भोपाल को भी दिया गया। ज्ञापन में लेख किया गया है कि नगर पालिका परिषद अनूपपुर में कार्यरत कर्मचारियो के साथ 24 मार्च को बैठक में समस्त कर्मचारियो ने इस बात को बताया की कार्यालय मे वह निरंतर कार्य करते चले आ रहे है एवं सेवा देते आ रहे है, किन्तु इन्हे समय पर न तो वेतन भुगतान किया जाता है ना ही सांतवे वेतनमान का एरियस का भुगतान व एनपीएस राशि जमा करवाया जा रहा है। लगातार निकाय में कर्मचारियो द्वारा अपने लंबित वेतन भुगतान की मॉग किये जाने के बावजूद वेतन का भुगतान नही किया गया। जिससे कर्मचारियो के परिवारजनो के जीवन यापन करने में कई तरह की परेशानी हो रही है। आरोप लगाया गया है कि जिम्मेदार मुख्य नगर पालिका अधिकारी कर्मचारियों के मामले में कतई सवेदनशील नही है। कर्मचारियों ने ज्ञापन में लेख किया था कि निकाय अर्न्तगत कार्यरत कर्मचारियो का लंबित वेतन का भुगतान एवं वर्तमान वेतन का भुगतान 29 मार्च से पहले नही किया जाता है, तो कर्मचारियों द्वारा कार्यालय के समीप टेन्ट लगाकर आज से समस्त कर्मचारी कलमबंद हड़ताल पर चले जाएंगे जिसकी जिम्मेदारी मुख्य नगर पालिका अधिकारी अनूपपुर की होगी।

भूकंप आपदा जोखिम न्यूनीकरण के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला संपन्न

अनूपपुर। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, भोपाल से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुपालन में जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नेतृत्व में भूकंप पूर्व तैयारी एवं क्षमता वर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन शनिवार को शासकीय तुलसी महाविद्यालय, अनूपपुर में किया गया। यह कार्यक्रम कलेक्टर हर्षल पंचोली के आदेशानुसार एवं अपर कलेक्टर दिलीप पांडे के मार्गदर्शन में जिला सेनानी होमगार्ड, अनूपपुर के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्राशी अग्रवाल द्वारा प्राचार्य अनिल कुमार सक्सेना की उपस्थिति में किया गया। कार्यशाला के दौरान प्लाटून कमांडर रामनरेश भवेदी (होमगार्ड) द्वारा भूकंप के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसमें भूकंप पूर्व तैयारी, अनूपपुर जिले के भूकंप जोन के आधार पर भूकंपरोधी भवन निर्माण, भूकंप के दौरान बचाव के उपाय तथा भूकंप के बाद खोज एवं बचाव कार्य की तकनीकों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही टीम द्वारा मॉक ड्रिल के माध्यम से आपदा प्रबंधन के व्यावहारिक पहलुओं का प्रदर्शन किया गया। जिला चिकित्सालय अनूपपुर के डॉ. राजकुमार द्वारा सीपीआर की विस्तृत जानकारी एवं मॉक ड्रिल प्रस्तुत की गई। इसके अतिरिक्त आपदा उपकरणों के उपयोग एवं सर्पदंश (स्नेक बाइट) से संबंधित आवश्यक जानकारी भी प्रतिभागियों को दी गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शासकीय तुलसी महाविद्यालय के प्राध्यापकगण, पीआरटी नर्सिंग महाविद्यालय, शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, रीवा पैरामेडिकल महाविद्यालय तथा आईटीआई के छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता की।

घरेलू गैस का खेल, होटलों में धड़ल्ले से हो रहा इस्तेमाल

खाद्य विभाग की चुप्पी पर उठे सवाल

अनूपपुर जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के अवैध उपयोग का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कलेक्टर के निर्देश के बाद खाद्य विभाग ने एक दिन दिखावटी कार्रवाई जरूर की, लेकिन उसके बाद फिर सब कुछ पहले जैसा हो गया। जिले के कई होटलों और ढाबों में खुलेआम घरेलू सिलेंडर का उपयोग हो रहा है, जिससे न केवल नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं बल्कि आम उपभोक्ताओं के अधिकारों पर भी सीधा असर पड़ रहा है।

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

जिले में घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग का मुद्दा अब गंभीर रूप लेता जा रहा है। नियमों के अनुसार घरेलू सिलेंडर का उपयोग केवल घरों तक सीमित है, लेकिन जिले में कई होटल और ढाबे इन नियमों को ठेंगा दिखाते नजर आ रहे हैं। हाल ही में कलेक्टर के निर्देश पर खाद्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए कुछ स्थानों पर जांच और जब्ती की थी, जिससे यह उम्मीद जगी थी कि अब अवैध उपयोग पर रोक लगेगी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि कार्रवाई महज एक दिन तक सीमित रही और उसके बाद विभाग की सक्रियता पूरी तरह ठंडी पड़ गई। इससे यह संदेह गहराने लगा है कि कहीं न कहीं इस पूरे मामले में विभागीय उदासीनता या फिर किसी प्रकार का दबाव काम कर रहा है। जिले में कई होटल संचालक जुगाड़ के जरिए घरेलू गैस सिलेंडरों का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे न सिर्फ सरकारी नियमों का उल्लंघन हो रहा है बल्कि गैस वितरण व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। अब सवाल यह है कि आखिर जिम्मेदार विभाग कब जागेगा।

होटलों तक कैसे पहुंच रहे घरेलू सिलेंडर

जिले में सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर घरेलू गैस सिलेंडर होटलों और ढाबों तक पहुंच कैसे रहे हैं। क्या गैस एजेंसियों की भूमिका संदिग्ध है या फिर बीच में कोई अवैध सप्लाई चेन काम कर रही है? बिना किसी नेटवर्क के इतने बड़े स्तर पर सिलेंडरों का दुरुपयोग संभव नहीं है। यह भी संभावना जताई जा रही है कि कुछ लोग लाभ कमाने के लिए घरेलू सिलेंडरों को व्यावसायिक उपयोग में बेच रहे हैं। अगर समय रहते इस चैन को नहीं तोड़ा गया, तो यह समस्या और गंभीर हो सकती है।

सुरक्षा और उपभोक्ताओं पर खतरा

घरेलू गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह एक बड़ा सुरक्षा खतरा भी है। होटल और ढाबों में अधिक उपयोग के कारण सिलेंडरों पर दबाव बढ़ता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा, घरेलू उपभोक्ताओं को समय पर गैस नहीं मिल पाती, क्योंकि सिलेंडर गलत जगह खपत हो रहे हैं। इससे आम जनता को परेशानी झेलनी पड़ रही है। अगर इस पर जल्द नियंत्रण नहीं किया गया, तो भविष्य में बड़े हादसे की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

कार्यवाही के बाद ठंडी पड़ी मुहिम

कलेक्टर के सख्त निर्देशों के बाद खाद्य विभाग ने जिले में घरेलू गैस के दुरुपयोग को लेकर एक दिन की कार्यवाही जरूर की थी। कुछ स्थानों पर जांच कर सिलेंडर जब्त भी किए गए, लेकिन इसके बाद विभाग की सक्रियता अचानक खत्म हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि कार्रवाई के बाद हालात पहले जैसे ही हो गए हैं और होटलों में फिर से खुलेआम घरेलू सिलेंडर का उपयोग जारी है। इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या विभाग सिर्फ औपचारिकता निभा रहा था या फिर कार्यवाही के बाद किसी दबाव में आकर चुप्पी साध ली गई।

विभाग की चुप्पी पर उठते सवाल

पूरे मामले में खाद्य विभाग की चुप्पी सबसे बड़ा सवाल खड़ा कर रही है। कार्रवाई के बाद अचानक निष्क्रियता से यह संदेह गहराने लगा है कि कहीं न कहीं कोई "दबाव" या "खनक" तो काम नहीं कर रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर विभाग लगातार निगरानी और कार्रवाई करे, तो इस अवैध गतिविधि पर आसानी से रोक लग सकती है। लेकिन फिलहाल विभाग की निष्क्रियता ने इस पूरे मामले को संदेह के घेरे में डाल दिया है और प्रशासन की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

कोरोना काल से बंद स्टेशन बस सुविधा फिर से प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज चचाई। अमरकंटक ताप विद्युत गृह चचाई में मंडल कर्मचारी अधिकारियों एवं ठेका श्रमिकों आम निवासियों हेतु ताप विद्युत गृह द्वारा एक दशक पूर्व से चली आ रही स्टेशन व सुविधा कोरोना कल में बंद कर दी गई तब से यह सेवा बंद ही चली आ रही थी। प्रबंधन द्वारा वर्षों से लोगों द्वारा की जा रही मांग को देखते हुए स्टेशन बस सुविधा 25 मार्च को मुख्य अभियंता तनवीर अहमद अधीक्षण अभियंता सेवाय की मौजूदगी में विधिवत उद्घाटन कर बस प्रारंभ की गई। ताप विद्युत गृह में निवासरत हजारों लोगों को अमलाई स्टेशन से ट्रेन पकड़ने व आने जाने में खास तौर पर रात्रि के समय भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था बस चालू होने से एक बड़ी समस्या दूर होने से लोगों ने मंडल प्रबंधन का आभार व्यक्त किया। स्टेशन बस सुविधा प्रारंभ होने से मिडिल क्लास कर्मचारी ठेका श्रमिकों आम निवासरत लोगों के परिवारों को बड़ी राहत मिली है जबकि अधिकारी वर्ग ठेकेदार व नेता वर्ग के लोगों को बस सुविधा बंद रहने पर किसी प्रकार की असुविधा नहीं होती थी क्योंकि उनके द्वारा मंडल में लगे वाहन का उपयोग स्टेशन सुविधा के रूप में हमेशा से मिलती रही है। प्रबंधन द्वारा चालू किए गए स्टेशन बस में ताप विद्युत गृह के कर्मचारी एवं यहां निवासरत आम लोगों ने कुछ विसंगतियां भी बताई जिसमें चचाई से अमलाई की जगह यह बस सुविधा चचाई से अनूपपुर जिला मुख्यालय की जानी चाहिए थी क्योंकि कुछ जरूरी सुविधा अमलाई स्टेशन में नहीं है जैसे की कुछ महत्वपूर्ण बड़ी ट्रेनों का स्टॉपेज ना होना साथ ही डिस्प्ले जैसी जरूरी व्यवस्था भी इस स्टेशन में ना होना व वर्षों से सुबह की अति महत्वपूर्ण सटल ट्रेन के लिए बस सुविधा न मिलने पर भी लोगों ने नाराजगी जता आने वाले समय में प्रबंधन को इस पर भी विचार करना चाहिए।

वन विभाग बिजुरी ने दुर्लभ प्रजाति के खैर (कत्था) के अवैध परिवहन करते पकड़ा ट्रक

फरार आरोपी चालक की तलास जारी, जिले में सक्रिय खैर के लकडी के तस्कर

हरिभूमि न्यूज बिजुरी।

मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों की तरह अनूपपुर जिले में भी दुर्लभ प्रजाति के खैर (कत्था) के हरे पेड़ों को बेरहमी से कटकर अवैधानिक रूप से तस्करी करने के दौरान वन परिक्षेत्र बिजुरी के अधिकारी/कर्मचारियों द्वारा रात्रि गस्ती के दौरान तलाशी हेतु एक ट्रक वाहन को रोके जाने दौरान आरोपी चालक मौके पर ट्रक को खड़ा कर फरार हो गया। ट्रक के आगे पीछे तस्करों की गाड़ियां चलने की संभावना व्यक्त की जा रही है ट्रक की तलाशी पर खैर की लकडी टुकड़ों में कटी मिली वन विभाग द्वारा आरोपी चालक के विरुद्ध विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जप्त ट्रक को वन परिक्षेत्र कार्यालय परिसर बिजुरी में सुरक्षित रखते हुए फरार आरोपी चालक एवं अन्य की तलाश करते हुए प्रकरण की गंभीरता से जांच करने में जुटी है। इस संबंध में वन परिक्षेत्र अधिकारी बिजुरी पवन ताम्रकार ने बताया कि 28 मार्च दिन शनिवार की रात वन परिक्षेत्र बिजुरी के परि, सहायक सतीश कुमार बैगा, परि,सहायक निगवानी ज्ञानचंद नागेश, वनरक्षक आशीष पांडेय, अनिल कुमार साय, अनिल केवट, सुनील बेगा, सत्यनारायण उपाध्याय, शैलेंद्र पटेल, शुभम गुप्ता एवं लालमन द्वारा रात्रि ग्रस्त की जा रही थी इसी दौरान रात 9 बजे के लगभग मौहरी गोढहा, बसखली की ओर से एक बड़ा ट्रक एचआर 69 बी 6524 तेजी से चला आ रहा था जो कोतमा बीट अंतर्गत बसखली गांव के मार्ग पर पहुंचने दौरान टॉर्च के सहारे ट्रक की तलाशी हेतु खड़ा कराया गया इसी दौरान आरोपी चालक ट्रक को खड़ा कर मौके से तेजी से अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गया। परीक्षण दौरान ट्रक के अंदर पांच घन मीटर की दुर्लभ प्रजाति के खैर (कत्था) की लकडी बक्कल सहित टुकड़ों में काटकर रखा होना पाया गया तलाशी दौरान वाहन में वाहन चालक मोहम्मद हारुन पिता अब्बास उम्र लगभग 33 वर्ष निवासी मुंडीगढ़ी जिला करनाल हरियाणा प्रदेश का होना पाया गया फरार आरोपी के विरुद्ध वन अपराध, अवैध परिवहन के तहत विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जप्त वाहन को वन परिक्षेत्र कार्यालय परिषर बिजुरी मे ला कर रखा गया जप्ती के कार्यवाही की जानकारी वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को दिए जाने पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर दुर्लभ प्रजाति के खैर (कत्था) के लकडी का अवैध व्यापार करने वाले आरोपियों की तलाश की जा रही है मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों की तरह अनूपपुर जिले में भी दुर्लभ प्रजाति के खैर (कत्था) के हरे पेड़ों को बगैर किसी अनुमति, जानकारी के कुछ ग्रामीणों के साथ मिलकर तस्करों द्वारा पेड़ों की कटाई कर उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में बनाकर विभिन्न वाहनों के माध्यम से अवैधानिक रूप से परिवहन किया जा रहा है इसके पूर्व वन विभाग के द्वारा जैतहरी, अनूपपुर, राजेंद्रग्राम के साथ शहडोल जिले में भी जप्ती की कार्यवाही की गई है दुर्लभ प्रजापति के खैर (कत्था) के तस्करों द्वारा व्यापक पैमाने पर तस्करी किए जाने से दुर्लभ प्रजाति के खैर (कत्था) के पेड़ों की कमी आ रही है इस तस्करी मे अनूपपुर थाना एवं तहसील के एक गांव के मुख्य तस्कर के नाम आने की संभावना पर वन विभाग द्वारा जांच की जा रही है।

सरफा से जोहिला नदी पार कर तीन हाथियों के समूह ने डिंडोरी जिले में किया प्रवेश

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

तीन हाथियों के समूह ने आज 97 वें दिन रविवार की सुबह अनूपपुर वन मंडल के अहिरगवां वन परिक्षेत्र अंतर्गत सरफा बीट के जंगल से जोहिला नदी पार कर डिंडोरी जिले के डिंडोरी वन परिक्षेत्र में प्रवेश कर विचरण कर रहे हैं रेंज ऑफिसर अहिरगवां द्वारा देर रात डिंडोरी वन मंडल एवं वन परिक्षेत्र के वन अधिकारियों को सूचित किए जाने पर ग्रामीणों को सतर्क किये जाने से किसी की तरह की अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं हुई। तीन हाथियों का समूह शनिवार के दिन अनूपपुर वन मंडल के अहिरगवां वन परिक्षेत्र अंतर्गत टिटही जैतहरी बीट के जंगल में दिनभर बिताने बाद शाम होते ही जंगल से निकल कर मुख्य मार्ग में चलते हुए सरफा बीट के कोडांर रोड पर चलकर उदय सिंह के खेत में लगी गेहूं को खाते हुए एक झोपड़ी में तोड़फोड़ कर झोपड़ी में रखें अनाज को आहार बनाया तीनों हाथी खिरनी ग्राम पंचायत एवं वन बीट सरफा से रविवार की सुबह जोहिला नदी पारकर डिंडोरी वन मंडल के डिंडोरी वन परिक्षेत्र अंतर्गत जंगल में पहुंचकर जंगल के अंदर विश्राम कर रहे हैं यह क्षेत्र अनूपपुर वन मंडल से 8 से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है अनूपपुर वन मंडल के अहिरगवां एवं कोतमा वन परिक्षेत्र के वन अधिकारी कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा श्रमिकों एवं ग्रामीण के साथ हाथियों के विचरण पर निरंतर निगरानी रखते हुए रात भर ग्रामीणों को सचेत एवं सतर्क कर आम जनों की सुरक्षा कर रहे थे वहीं वन परिक्षेत्र अधिकारी अहिरगवां अजेंद्र सिंह ने हाथियों के जोहिला नदी पार कर डिंडोरी वन मंडल में प्रवेश होने की संभावना पर वन अधिकारियों को समय पर स्थिति से अवगत कराए जाने हाथियों के संभावित विचरण क्षेत्र के ग्रामीणों को देर रात सूचित किए जाने से किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं हुई।

बेटियों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में बड़ा कदम, 2,211 किशोरियों को लगा एचपीवी टीका

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

"सावधानी ही सुरक्षा है" के सिद्धांत को अपनाते हुए जिला प्रशासन अनूपपुर द्वारा संचालित एचपीवी टीकाकरण अभियान निरंतर जारी है। इस अभियान के अंतर्गत अब तक जिले की 2,211 किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन लगाई जा चुकी है, जो उन्हें भविष्य में होने वाले सर्वाइकल कैंसर से सुरक्षा प्रदान करेगी। यह अभियान कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अर्चना कुमारी के निर्देशन में स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के समन्वय से संचालित किया जा रहा है। टीमें गांव-गांव और स्कूल-स्कूल पहुंचकर न केवल टीकाकरण कर रही हैं, बल्कि अभिभावकों और किशोरियों को इस बीमारी के प्रति जागरूक भी बना रही हैं। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं एएनएम द्वारा घर-घर संपर्क कर अभियान को गति दी जा रही है। जिले में निर्धारित 8,596 किशोरियों के लक्ष्य के विरुद्ध 2,211 का आंकड़ा प्राप्त किया जा चुका है। अभियान की प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती अर्चना कुमारी ने आज ग्राम कुकुरगोडा का दौरा किया। उन्होंने वहां टीकाकरण केंद्र का निरीक्षण कर स्वास्थ्य कर्मियों से चर्चा की और कोल्ड चेन प्रबंधन की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने उपस्थित बालिकाओं और उनके अभिभावकों से संवाद कर उन्हें इस टीके के महत्व के बारे में जागरूक किया। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम स्तर पर 'मोबिलाइजेशन' बढ़ाकर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया जाए। नोडल अधिकारियों द्वारा अनूपपुर, जैतहरी, कोतमा एवं पुष्पराजगढ़ क्षेत्रों में प्रतिदिन अभियान की समीक्षा की जा रही है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि 14 वर्ष से 15 वर्ष 3 माह आयु वर्ग की कोई भी पात्र किशोरी टीकाकरण से वंचित न रहे। जिला प्रशासन ने समस्त अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी बेटियों को इस टीकाकरण अभियान से अवश्य जोड़ें और उन्हें एक सुरक्षित भविष्य प्रदान करने में सहयोग करें।

कांग्रेस सेवादल ने राजनगर में आयोजित किया प्रभात फेरी व ध्वज वंदन एवं कार्यकर्ता सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर।

कांग्रेस सेवादल विधानसभा क्षेत्र कोतमा के ब्लॉक इकाई राजनगर एवं ब्लॉक इकाई बिजुरी के संयुक्त तत्वावधान में राजनगर में प्रभात फेरी व ध्वज वंदन कार्यक्रम एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। जहां मुख्य अथिति के रूप जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्याम कुमार गुड्डू चौहान एवं विशिष्ठ अतिथि के रूप में सेवादल जिलाध्यक्ष डॉ. एहसान अली उपस्थित रहें। सर्वप्रथम सेवादल के कार्यकर्ताओं द्वारा प्रभात फेरी निकालकर देश भक्ति का संदेश दिया गया और कार्यक्रम स्थल पर मुख्य अतिथि कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्याम कुमार गुड्डू चौहान द्वारा हमारे देश के राष्ट्रीय ध्वज का

रोहण किया गया। तत्पश्चात सेवादल के रवि मिलन कार्यक्रम के तहत कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें उपस्थित अतिथियों द्वारा सेवादल यंग ब्रिगेड नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष रवि प्रसाद कोल को नियुक्ति प्रमाण पत्र प्रदान किया गया, उपस्थित कांग्रेस जनों ने नवीन दायित्व हेतु हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी। इस दौरान मुख्य अतिथि जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनूपपुर श्याम कुमार गुड्डू चौहान, सेवादल जिलाध्यक्ष एहसान अली जिला पंचायत सदस्य राम जी रिंकू मिश्रा, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजनगर, कोतमा एवं समस्त सेवादल पदाधिकारीगण, कांग्रेस के सभी वरिष्ठ पदाधिकारीगण, पाषर्दगण एवं समस्त कांग्रेस विंग के पदाधिकारीगण और कांग्रेस कार्यकर्तागण मौजूद रहे।